कावेरी

महालेखाकार (लेखा एवं हक) का कार्यालय

कर्नाटक, बेंगलूरु

निष्पक्षता

सकारात्मक दृष्टिकोण

विश्वसनीयता

पारदर्शिता

अखंडता

2023, अंक 28

कावेरी

भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग

सत्यमेव जयते

महालेखाकार (लेखा एवं हक) का कार्यालय

कर्नाटक, बेंगलूरु 560001

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA

लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा

Dedicated to Truth in Public Interest

कावेरी हिंदी पत्रिका अंक - 28

प्रकाशन	:	कावेरी हिंदी गृह पत्रिका
प्रकाशक	:	महालेखाकार (लेखा एवं हक) का कार्यालय
अंक	:	28 (अट्ठाईस)
उद्देश्य	:	राजभाषा का संवर्धन एवं कार्यालयीन कामकाज में हिन्दी के प्रयोग को प्रोत्साहित करना ।
मूल्य	:	राजभाषा के प्रति निष्ठा
आवरण पृष्ठ	:	महालेखाकार (लेखा एवं हक) का कार्यालय

अस्वीकरण: पत्रिका में प्रस्तुत विचार रचनाकारों के व्यक्तिगत विचार हैं। संपादक मण्डल का रचनाकारों के विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है।

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
01.	कावेरी परिवार	5
02.	पाठकों के नाम संदेश - महालेखाकार (लेखा एवं हक)	6
03.	पाठकों के नाम संदेश - उप महालेखाकार (प्रशासन)	7
04.	संपादकीय - वरिष्ठ लेखा अधिकारी	8
05.	हिन्दी पखवाड़ा 2023 छायाचित्र	9
06.	लेख	11
07.	आत्मनिर्भर भारत - सविता	12
08.	जीवन में योग की उपयोगिता - श्राव्या मंथा	14
09.	जलवायु परिवर्तन - मनीषा विश्वकर्मा	16
10.	जी-20 - हिमांशु पटेल	19
11.	चंद्रयान 3 - सचिन मधुकर	20
12.	हिन्दी दिवस समापना समारोह छायाचित्र	22
13.	कविताएँ	25
14.	याद बहुत आता है मुझे - शिवप्रिया बी.	26
15.	एकांत - शिवांकु चतुर्वेदी	27
16.	कवि नहीं हूँ मैं - मनीषा विश्वकर्मा	29
17.	रूठ गए जो लोग अकारण - राहुल राज	31
18.	माँ के बिना - हिमांशु पटेल	32
19.	तलाश - राहुल शर्मा	33
20.	माँ कैसे बताऊँ मैं क्या है तू - प्रियांशी राज	34
21.	सतर्कता जागरूकता सप्ताह छायाचित्र	35
22.	वक़्त - रवि भूषण	38
23.	ऑडिट दिवस 2023 छायाचित्र	40
24.	यात्रावृतांत	42
25.	बेंगलूरु दर्शन- टी बी अशोक	43
26.	कर्नाटक के पौराणिक स्थल - निशा कुमारी	45
27.	आपकी सहायता के लिए	47
28.	कार्यालय उपयुक्त अङ्ग्रेज़ी-हिन्दी वाक्य कोष	48
28.	कार्यालय की प्रमुख गतिविधियां	49
29.	देखो हँस न देना	52
30.	बूझो तो जानें	53

कावेरी परिवार

मुख्य संरक्षक : सुश्री स्मिता गोपाल

महालेखाकार (लेखा एवं हक)

संरक्षक : श्री के विघ्नेश्वरन

उपमहालेखाकार (प्रशासन)

संपादक : श्रीमती शिवप्रिया बी.

वरिष्ठ लेखाधिकारी/ मा.सं.वि

उप-संपादक : श्रीमती निशा कुमारी, वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक

सुश्री मनीषा विश्वकर्मा, कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

संदेश

यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि कार्यालय की पत्रिका “कावेरी” के 28वें अंक का सफलतापूर्वक प्रकाशन किया जा रहा है। हिंदी लेखन के प्रति कार्मिकों में उत्साह और रुचि सृजित करने हेतु यह पत्रिका एक सशक्त माध्यम है। यह कार्यालय भले ही “ग” क्षेत्र में है, लेकिन मुझे बहुत खुशी है कि इस कार्यालय के पदाधिकारियों ने इस पत्रिका में बढ़ चढ़कर योगदान दिया है। यह हिंदी के प्रति स्नेह व उत्साह दर्शाते हैं। राजभाषा का प्रयोग संवैधानिक दायित्व ही नहीं बल्कि अभिव्यक्ति का माध्यम भी है जो हिंदी बखूबी निभाती है।

राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार में गृह पत्रिका का प्रकाशन महत्वपूर्ण कदम है। पत्रिका के प्रकाशन से जुड़े सभी अधिकारी/कर्मचारी बधाई के पात्र है। पत्रिका के उज्ज्वल भविष्य हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ।

महालेखाकार (लेखा एवं हक)

संदेश

"कावेरी" पत्रिका के 28वें अंक को आपके समक्ष रखते हुए गौरवान्वित प्रतीत हो रहा है। हमारे कार्यालय के कार्मिकों के सहयोग से ही पत्रिका का सफल प्रकाशन हो पाया है । हिंदी केवल राजभाषा या संपर्क भाषा ही नहीं बल्कि विश्व की भाषा बनने की ओर अग्रसर है। पत्रिका का प्रकाशन राजभाषा के प्रचार- प्रसार में एक छोटा सा प्रयास है।

मैं पत्रिका से जुड़े कार्मिकों, रचनाकारों एवं संपादक मण्डल को हार्दिक बधाई एवं भविष्य में भी पत्रिका के निरंतर प्रकाशन के लिए शुभकामनाएँ देता हूँ।

उप महालेखाकार (प्रशासन)

संपादकीय

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी “कावेरी” का 28वां अंक नए रूप में आप लोगों के समक्ष प्रस्तुत है। पत्रिका कार्मिकों की अभिव्यक्ति को एक मंच प्रदान करती है जो कार्यालय में हिंदी के प्रचार प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान देती है। संघ की राजभाषा होने के कारण हम सभी का यह दायित्व है कि हम अधिकाधिक कार्यालयीन कार्य हिंदी में करने को प्रयासरत रहें। राजभाषा नीति का आधार प्रेरणा और प्रोत्साहन है इसीलिए हम स्वयं हिंदी में कार्य करें और अपने सहकर्मियों को भी प्रोत्साहित करें ।

मौलिक लेखन और कामकाज में अभिव्यक्ति अपनी भाषा में ही सुग्राह्य होती है । पत्रिका में मौलिकता और भाषा की सरलता एवं सहजता को बनाए रखने का पूरा प्रयास किया गया है । मैं अपने कार्यालय के सभी रचनाकारों एवं पत्रिका से जुड़े सभी कार्मिकों को बधाई देती हूँ तथा पाठकों का धन्यवाद करती हूँ कि जिनके सुझावों से पत्रिका में निरंतर सुधार संभव हो पाता है । इस वर्ष भी आपके बहुमूल्य प्रतिक्रियाओं की प्रतीक्षा रहेगी ।

शुभकामनाओं सहित ।

जय हिंद, जय हिंदी ।

शिवप्रिया·बी

श्रीमती शिवप्रिया बी.

वरिष्ठ लेखाधिकारी/ मा.सं.वि

हिन्दी पखवाड़ा 2023

हिन्दी पखवाड़ा के अवसर पर कार्यालय में 1 सितंबर 2023 से 14 सितंबर 2023 तक विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में कार्यालय के पदाधिकारियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

हिन्दी पखवाड़ा के दौरान आयोजित कविता पाठन, प्रश्नोत्तरी एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता में अपनी कुशलता दिखाते कार्यालय के पदाधिकारी

लेख

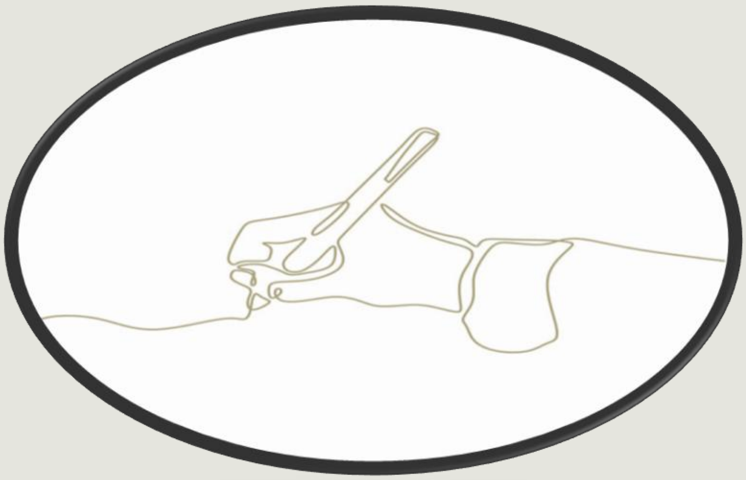

आत्मनिर्भर भारत

सविता

सहायक लेखा अधिकारी

"आत्मनिर्भर" शब्द का अर्थ है किसी भी प्रकार से किसी दूसरे पर आश्रित न होना। एक आत्मनिर्भर देश ही दूसरे देशों एवं मानव समाज के लिए स्तम्भ की तरह मजबूती से खड़ा रह सकता है । आत्मनिर्भर होना आज सभी की आवश्यकता है चाहे वो एक व्यक्ति हो या एक सम्पूर्ण देश ।

1947 के बाद जब से हमारा देश आज़ाद हुआ है, हम सब भारतीयों ने आत्मनिर्भर भारत का सपना देखा है । परंतु इसकी शुरुआत महात्मा गांधी ने बहुत पहले ही कर दी थी जब उन्होंने सविनय अवज्ञा आंदोलन की शुरुआत की थी । उन्होंने ही हम भारतवासियों को आत्मनिर्भर भारत का सपना दिखाया था और सभी से आग्रह किया था कि हम सब भारतवासी स्वदेशी अपनाएँ । वे स्वयं भी केवल स्वदेशी चीज़ों का ही इस्तेमाल करते थे । परंतु यह बड़े दुख की बात है की आज आज़ादी के 75 साल बाद भी हम पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर नहीं हो पाए हैं । इसके लिए अभी हमें काफी लंबी राह चलनी है।

आत्मनिर्भर भारत के सपने को सच करने के लिए वर्ष 2020 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आत्मनिर्भर भारत अभियान की शुरुआत की गई थी । इसके तहत कई ऐसी योजनाओं को हरी झंडी दिखाई गई जिससे भारत आत्मनिर्भरता की ओर नए कदम बढ़ा सके । भारत आज भी दैनिक जीवन में उपयोग आने वाली कई वस्तुओं के लिए अपने पड़ोसी देशों जिसमे चीन, अमेरिका, कोरिया, एवं सऊदी अरब जैसे देशों पर आश्रित है । आत्मनिर्भर भारत योजना के अंतर्गत सरकार ने घरेलू उद्योगों, छोटे कारोबार आदि को बढ़ावा दिया है जिससे कि हम आर्थिक एवं सामाजिक रुप से स्थिर एवं आत्मनिर्भर बन सकें ।

आत्मनिर्भर भारत के स्तम्भ:

1. **इंफ्रास्ट्रक्चर** : भारत सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में अपने इंफ्रास्ट्रक्चर पर ध्यान दिया है, इस सबको आर्थिक एवं सामाजिक रूप से मजबूती तो मिली है साथ ही वैश्विक स्तर पर भारत की एक अलग पहचान बनी है ।
2. **मांग** : भारत को आर्मनिरभर बनने के लिए सबसे पहले अपने आयात को कम करना होगा और तभी संभव है जब हम अधिक से अधिक चीज़ों का निर्माण भारत में ही करें ।
3. **जनसंख्या एवं रोजगार** : जनसंख्या नियंत्रण एक सामाजिक चुनौती है परंतु अगर हमें भारत को आत्मनिर्भर बनाना है तो जनसंख्या नियंत्रित करना जरूरी है जिससे सभी को अच्छा रोजगार मिलना संभव हो सकेगा जिससे भारत व भारतवासी दोनों आत्मनिर्भर बन पाएंगे ।

आत्मनिर्भर भारत की उपलब्धियां

चाँद पर भारत: आज की तारीख में चाँद पर पाँव रखना भारत की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है और भारत को आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने का सबसे बड़ा सबूत भी है । भारत ने चाँद पर पाँव रखने का सपना देखा जिसे पूरा किया भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान केंद्र ने। इसकी शुरुआत हुई 2008 में जब भारत से पहला चंद्रयान भेजा गया। चंद्रयान 3 के चाँद पर उतारने के साथ ही भारत चाँद के साउथ पोल पर उतारने वाला पहला देश बन गया। इससे भारत विश्व के सामने एक नई शक्ति के रूप में उभरा है ।

कोरोना महामारी में आत्मनिर्भरता का परिचय: कोरोना महामारी में जब पूरा विश्व जल रहा था तब भारत ने एक सुदृढ़ देश की तरह अपना ही नहीं अपने पड़ोसी देशों की भी सहायता की । इस दौरान ही लोगों में आत्मनिर्भर भारत का सपना जागा। भारत ने मास्क, सेनिटाईजर, पीपीई किट, कोरोना के टीके सभी स्वदेशी बनाएं और अपने भारतवासियों को उस कठिन दौर से निकाला ।

भारत एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है । हमारा देश निरंतर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। हमें यह प्रयास जारी रखने होंगे जिससे भारत एक विकासशील देश से विकसित देश बन सके।

“आइए हम सब मिलकर भारत को आत्मनिर्भर बनाएँ
स्वदेशी बनाएँ, स्वदेशी अपनाएँ, रोजगार बढ़ाए”

जीवन में योग की उपयोगिता

श्राव्या मंथा

सहायक लेखा अधिकारी

योग का शब्द की उद्भव देवभाषा संस्कृत के "जुग" शब्द से है जिसका अर्थ है शारीरिक और मानसिक सांयोगिक अभ्यास । योग एक कला है जो हमारे शरीर एवं मन और आत्मा को जोड़ता है। इससे हमारा निजी आध्यात्मिक और सामाजिक संबंध भी बना रहता है।

शारीरिक स्वास्थ्य में योग की भूमिका

नियमानुसार योग के कई अभ्यास से तरह तरह के लाभ हैं ।

1. दर्द से पीड़ित जन को राहत प्रदान करता है ।
2. नसों में रक्त प्रवाह बढ़ाए रखता है ।
3. ध्यान केन्द्रित करने में मदद करता है ।
4. अनेक महामारियों से रोग निरोधक शक्ति मिलती है ।
5. हृदय संबंधी व्याधियाँ दूर रहती हैं ।

मानसिक स्वास्थ्य में योग की भूमिका

योग अभ्यास से सिर्फ शारीरिक लाभ ही नहीं मिलते परंतु अनेक मानसिक समस्याएँ भी दूर रहती हैं ।

1. आंतरिक शांति की अनुभूति होती है।
2. आत्म विश्वास बढ़ता है ।
3. आज कल के सोशल मीडिया और कार्यस्थल के दबाव का सामना करने की ताकत मिलती है
4. मानसिक स्थिरता बढ़ती है ।
5. गुणवत्ता पूर्ण जीवन ।

योग से ऐसे अनेक जाने-अंजाने लाभ प्राप्त होते है। आज-कल की जीवनशैली और खान-पान को नज़र में रखते हुए, प्रतिदिन योग अभ्यास नियम अनुसार करने का महत्वपूर्ण परिणाम सारे आयु, वर्ग के लोगों को प्राप्त होना चाहिए। हर शरीर और आयु वर्ग के अनुसार आसन योग में निबंधित है। तरह तरह के विधाओं के अनुसार योग के भी कई प्रकार है । योग कई खंडों में विभाजित है मसलन, हाथ योग, ज्ञान योग, सिद्धि योग, कर्म योग आदि परंतु उपरोक्त

योग मार्ग सिद्ध करने हेतु गुरु की आवश्यकता होती है।

योग के महत्व को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने योग को विशेष रूप से विश्व विख्यात करने में बढ़ावा दिया है। इसके फलस्वरूप योग ने अपने जन्मस्थल भारत से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कीर्ति प्राप्त किया है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हर वर्ष 21 जून को मनाया जाता है। योग के रूप में भारत ने एक मूल्यवान भेंट दुनिया को अर्पित की है।

योग जैसी महत्वपूर्ण एवं मूल्यवान क्रिया को हर नागरिक द्वारा अपनाई जानी चाहिए । इसका प्रचार पाठशालाओं से लेकर कार्यालय परिसर में करना चाहिए ताकि देश को आर्थिक निपुणता के साथ साथ सामाजिक, व स्वास्थ्य श्रेणी में भी निपुणता हासिल हो सके।

....

जलवायु परिवर्तन

मनीषा विश्वकर्मा

कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक

"प्रसन्नता की प्रथम शर्त यह है की मनुष्य और प्रकृति के मध्य जुड़ाव नहीं तोड़ा जाए।"

लियो टोल्स्टोय

मानवीय गतिविधियों और क्रिया कलापों के कारण दुनिया का तापमान बढ़ रहा है और इससे जलवायु में हो रहा परिवर्तन अब मानव जीवन के हर पहलू के लिए खतरा बन चुका है। **जलवायु परिवर्तन पर अंतरसरकारी पैनल (IPCC)** के अनुसार बीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में पृथ्वी का औसत तापमान चरम सीमा पर पहुँच गया है ।

मेसाच्युसेट्स प्रौद्योगिकी संस्थान (MIT) और यूनाइटेड किंगडम के **राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान केंद्र** के अनुसार ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन का असर विशेष रूप से हमारे समुद्रों पर पड़ रहा है। पिछले दो दशकों में पृथ्वी पर समुद्र का 56 प्रतिशत हिस्सा हरा हो चुका है। इसका कारण है फाइटोप्लंक्टन की तादाद का बेतहाशा बढ़ना । समुद्री सतह पर इतनी तादाद पर फाइटोप्लंक्टोन के बढ़ने का अर्थ है की समुद्र में ऑक्सीजन की कमी होना। समुद्र की निचली सतह तक सूर्य की किरणें न पहुँच पाने के कारण समुद्री जीवों और पौधों को भी विनाश की राह पर चलना पड़ रहा है ।

समुद्र की निरंतर अधोगति केवल समुद्री जीवों के लिए विनाशकारी नहीं है, यह मनुष्यों के लिए भी उतना ही संकटमय है। जो तटीय क्षेत्र मछली पालन करते हैं या समुद्री भोजन के सहारे रहते हैं, उनके लिए यह रोज़ी-रोटी का सवाल बन जाता है। **नेशनल ओषनोग्राफी सेंटर** की एक रिपोर्ट के अनुसार पूरा परिस्थितिकी तंत्र मानवीय गतिविधियों से गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है ।

ऊर्जा प्राप्त करने हेतु कोयला, पेट्रोल-डीजल और प्राकृतिक गैस का प्रयोग कार्बन

डाइऑक्साइड के उत्सर्जन में विशेष भागीदार है । इस कार्बन डाइऑक्साइड का 25 प्रतिशत हिस्सा समुद्र द्वारा सोख लिया जाता है। यदि पर्यावरण में इस गैस का उत्सर्जन बढ़ता रहेगा तो समुद्र का तापमान उसी स्तर से बढ़ता रहेगा और समुद्र का तापमान बढ़ने से पूरे धरती का संतुलन हिल सकता है।

संयुक्त राष्ट्र के सचिव, एंटोनिओ गुटेरेस ने इस मसले पर अपनी गंभीरता जताते हुए कहा है कि अब समय ग्लोबल वार्मिंग का नहीं बल्कि ग्लोबल बोयलिंग का आ चुका है । दुनिया में जलवायु परिवर्तन के कई असर दिखाई पड़ रहे हैं- चाहे वो जगह जगह लगती जंगलों में आग हो या वक़्त बेवक्त आती बाढ़ का प्रकोप। जलवायु परिवर्तन की गंभीरता इस बात से सशक्त होती है कि आज ग्लेशियर तीव्र स्तर से पिघल रहे हैं । इसका असर सभी देशों पर सामान्य रूप से पड़ रहा है । अंटार्कटिका में दुनिया के पहाड़ों की तुलना में 50 गुना अधिक बर्फ मौजूद है। इन ग्लेशियरों की पिघलने से पृथ्वी का तापमान 60 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। इसका सीधा असर यह होगा कि शुद्ध पानी की कमी हो जाएगी और समुद्र का जल स्तर बहुत ज्यादा बढ़ जाएगा । एक अध्ययन के अनुसार 1980 के बाद से समुद्र का स्तर 9 इंच बढ़ चुका है । यह भी अनुमान लगाया जा रहा है कि वर्ष 2100 तक जल स्तर में 1 से 4 फीट तक बढ़ोतरी निश्चित है।

संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सम्मेलन **(UNFCCC)** एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता है जिसके तहत वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैस के उत्सर्जन को रोकने हेतु निर्णय लिए जाते हैं । 1997 में **क्योटो प्रोटोकॉल** और वर्ष 2021 में हुए **ग्लासगो सम्मलेन** में इस दिशा की ओर मुख्य निर्णय लिए गए । अब विकासशील देशों से ज्यादा विकसित देशों के ओर से अधिक सहायता की उम्मीद की जा रही है ।

भारत में जलवायु परिवर्तन को लेकर कई महतपूर्ण कदम उठाए गए हैं । 2008 में जलवायु परिवर्तन के संकट से निपटने हेतु राष्ट्रीय कार्ययोजना का आरम्भ किया गया था जिसके तहत तकरीबन 8 मिशन निर्धारित किए गए थे उदाहरण के तौर पर - राष्ट्रीय सौर मिशन, राष्ट्रीय जल मिशन, विकसित ऊर्जा दक्षता के लिए राष्ट्रीय मिशन इत्यादि ।

निजी स्तर पर भी आम नागरिक पर्यावरण संरक्षण में सहायता कर सकते हैं। अपने वाहन के स्थान पर सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल, भोजन का कम से कम व्यर्थ करना, कम अवधि की यात्रा के लिए साइकिल का उपयोग, ई-वाहन का उपयोग, सौर ऊर्जा का प्रयोग, फास्ट फ़ैशन में निवेश न करना, इत्यादि। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को सीमित करने के लिए सरल उपायों की आवश्यकता है । इनमें ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों पर स्विच करना और जीवाश्म ईंधन के उपयोग को समाप्त करना शामिल है । हाइड्रोजन ईंधन सेल-चार्ज वाहनों का उपयोग करना और ऑटोमोबाइल के धुएँ से होने वाले प्रदूषण को समाप्त करना । और इन सबसे सरल उपाय है कचरे का प्रभावी निपटान और अनुपयोगी कचरे को नष्ट करना और इससे भी सरल है अधिक से अधिक पेड़ लगाना जिससे जंगलों की संख्या बढ़ सके ।

....

जी-20

हिमांशु पटेल
डी.ई.ओ

जी-20 विश्व के 19 विकसित देश और विकासशील देशों और यूरोपीय यूनियन (EU) को मिलाकर बना एक समूह है । ग्रुप ऑफ 20 का गठन एशिया के वित्तीय संकट के बाद 1999 में विश्व में आर्थिक और वित्तीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक मंच के रूप में किया गया था। भारत इसका संस्थापक सदस्य है । इस समूह का कोई भी मुख्यालय नहीं है । जी- 20 देशों में रहने वाली आबादी सम्पूर्ण विश्व की दो-तिहाई है और इसका सकल घरेलू उत्पाद सम्पूर्ण विश्व की सकल घरेलू उत्पाद का 85% है ।

इसके गठन के पूर्व जी-7 विश्व की विकसित अर्थव्यवस्थाओं का समूह था परंतु 1999 में एक ऐसे समूह के गठन की आवश्यकता हुई, जिसमें विकसित देशों के अलावा अन्य देश भी शामिल हो फलस्वरूप जी-20 का गठन हुआ । 2007 के आर्थिक और वित्तीय संकट को देखते हुए नवंबर 2008 में वॉशिंगटन डीसी में इसकी पहली बैठक का आयोजन किया गया था ।

जी-20 की अध्यक्षता के तहत 1 वर्ष के लिए जी-20 एजेंडा की अलग-अलग बैठक आयोजित की जाती है । वर्ष 2023 के लिए भारत ने इसकी मेजबानी की । 9-10 सितंबर 2023 को नई दिल्ली के प्रगति मैदान में सभी राष्ट्रों के प्रमुखों की बैठक का आयोजन हुआ। भारत ने इस वर्ष के लिए इसकी थीम “वसुधैव कुटुंबकम” अर्थात “one earth one family one future” रखी थी। यह थीम उपनिषद से लिया गया है। जिसका अर्थ है की सम्पूर्ण विश्व एक परिवार है। जी-20 की अध्यक्षता के तहत भारत द्वारा 50 शहरों में 230 बैठकों का आयोजन किया गया । वित्तीय समावेशन की पहली बैठक कोलकाता में और शेर्पा बैठक उदयपुर राजस्थान में आयोजित की गई । हरित विकास, जलवायु वित्त, त्वरित, समावेशी और लचीला विकास, SDG की तीव्र प्रगति 21वीं सदी के लिए बहुपक्षीय संस्थान, महिलाओं के नेतृत्व में विकास आदि विषयों पर प्रथामिकता दी गई ।

चंद्रयान-3

सचिन मधुकर

लेखाकार

चंद्रयान-3 (2023) भारत का चंद्रयान-1 (2008) और चंद्रयान-2 (2019) के बाद तीसरा चंद्र मिशन है। चंद्रयान-3 भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा 14 जुलाई 2023 को लॉन्च किया गया था। 23 अगस्त 2023 को शाम करीब 06:04 बजे चंद्रयान-3 ने चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग की । इसके साथ ही, भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक "सॉफ्ट लैंडिंग" करने वाला पहला देश बन गया है ।

चंद्रयान-3 के लेंडर "विक्रम" ने जिस स्थान पर सॉफ्ट लैंडिंग की उसका नाम "शिव शक्ति पॉइंट" रखा गया है । इसके साथ ही चंदयान-2 (2019) में चाँद की सतह पर लैंड करते हुये दुर्घटनाग्रस्त हुआ था, उसका नाम "तिरंगा पॉइंट" रखा गया है। 23 अगस्त 2023, जिस दिन चंद्रयान-3 को चन्द्रमा पर उतारा गया उसको भारत सरकार ने अब से राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के रूप में मनाया जाने हेतु घोषणा की है।

चंद्रयान-3 मिशन का उद्देश्य :

1. चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित और सॉफ्ट लैंडिंग करना ।

2. चंद्रमा पर रोवर को चलाना । रोवर का नाम प्रज्ञान है और यह 6.5 मी. लंबा है ।

3. चंद्रमा पर वैज्ञानिक परीक्षण करना ।

चंद्रयान-3 द्वारा भेजी गई मौजूदा जानकारी :

1. तापमान: ऐसा माना जाता था की चंद्रमा की सतह पर तापमान 20-30 सेन्टीग्रेड के आस-पास हो सकता है, लेकिन यह 70 सेन्टीग्रेड है ।

2. इसने दक्षिणी ध्रुव के पास चंद्रमा की सतह पर "सल्फर" की उपस्थिति की पुष्टि की गई है।

3. विरल प्लाज़्मा का चाँद की सतह पर पता लगाया है।

चंद्रयान-3 भारत का एक महत्वूर्ण मिशन है । यह भारत को चाँद की ओर आगे बढ़ने में मदद करेगा। इसकी सफलता से भारत को अनेक लाभ मिलेंगे । साथ ही, ब्रहमाण्ड को लेकर हमारी समझ और भी बेहतर होगी । चंद्रयान-3 से युवाओं को अन्तरिक्ष से जुड़ी जानकारी मिलेगी तथा साथ-साथ उन्हें

अन्तरिक्ष विज्ञान और प्रोद्यौगिकी में करियर बनाने के लिए भी प्रेरित करेगी।

अंततः यह कहा जा सकता है की चंद्रयान-3 भारत के गहन भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेगा।

....

हिन्दी दिवस समापन समारोह 2023

मानननीय मुख्य अतिथि डॉ. महेश्वर धनकोट, उप निदेशक (राजभाषा), अन्तरिक्ष विभाग, आईएसआरओ को सम्मानित करतीं महालेखाकार महोदया व अन्य समूह अधिकारीगण

हिन्दी पखवाड़ा 2023 के दौरान आयोजित हुए विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण पत्र से सम्मानित करतीं महालेखाकार महोदया एवं अन्य समूह अधिकारी

सभा को संबोधित करते माननीय मुख्य अतिथि डॉ. महेश्वर धनकोट, उप निदेशक (राजभाषा), आईएसआरओ और विजेताओं को सम्मानित करतीं उप महालेखाकार महोदया

हिन्दी अनुभाग के पदाधिकारी प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं प्रतिभागियों के साथ

कविता

<u>याद बहुत आता है मुझे</u>

शिवप्रिया बी.

वरिष्ठ लेखाधिकारी

याद बहुत आता है मुझे वो समय
दिन भर खेलती सहेलियों के संग निर्भय
माँ के डांटने पर घर चली जाती थी
खाना खाकर जल्दी ही सो जाती थी
        याद बहुत आता है मुझे मेरा बचपन

झगड़ा जो करती मेरी बहन के साथ
शांत हो जाती थी पापा के आते ही
कूदना, छिपना, गुड़िया खेला करती थी
पेड़ों की डालियों पर चढ़ा करती थी
        याद बहुत आता है मुझे मेरा बचपन

खिलौनों के लिए जिद्द किया करती थी
जब मैं पापा के संग मेलों में घूमने जाया करती थी
घूमने जाया करती थी जीजू के कंधों पर
मांगती थी मिठाइयाँ सारी और उपहार
        याद बहुत आता है मुझे मेरा बचपन

सोचती हूँ फिर से बच्ची बन जाऊँ
तोतली आवाज़ में पापा और माँ-माँ चिलाऊँ
पर वो जादू की छड़ी कहाँ से लाऊँ
जिससे फिर से बच्ची बन जाऊँ
        याद बहुत आता है मुझे मेरा बचपन

एकांत

शिवांकु चतुर्वेदी
क्लर्क

कितने मश्वरे आते रोज़, मुरझाए चेहरे को हँसाने के लिए
कोई कहता खुशी... कोई कहता दर्द बाँटने के लिए
बेचैनियाँ दिल में लिए, जाने कितना मैं भारी होता
छुपाए हुए गमों का समुंदर जाने मैं कैसा होता
खामोशियाँ मिटाने मैं खामोशी से निकलता
एकांत में एकांत से मिलता

कभी उलझता कभी सुलझता तकदीर के इस फंसाने में
शायद हर शख्स यूं ही जीता इस जमाने में

जाने कितना भाग चुका हूँ, जिंदगी बनाने के लिए
थक कर बैठा हूँ... एकांत में, दिल बहलाने के लिए
शिकायत तो खैर मुझे कुछ भी नहीं
बस कई किस्से हैं खुद को सुनाने के लिए

चलो मैं खुद को कहीं दूर ले जाता हूँ
सारी ज़िंदगानी का बताने के लिए
समुंदर, किनारे, लहरों के शोर में...
मुझे एकांत मिला है।
हवाओं के जोर में,
मुझे एकांत मिला है॥

कई शाम... मैं एकांत में एकांत से मिलता
किसी की ना सुनता, बस खुद से खुद की कहता
इस एकांत में खोजकर ही मैं जिंदा लगता

ये एकांत न होता तो मैं कैसा होता॥

सितारों की चादर तले... जब चाँदनी गले से लगे
लगे जैसे जिंदगी मुझसे मिले
बहुत दूर हूँ मैं खुद से... जाने कैसे मुझे चैन मिले
खुद से खुद की दूरी कैसे तय करता
अगर एकांत न होता तो मैं कैसा होता

चारों और आव के बाद भी, मैं खाशाक सा होता
अगर ये एकांत न होता तो मैं कैसा होता
अगर ये एकांत न होता तो मैं कैसा होता

कवि नहीं हूँ मैं

मनीषा विश्वकर्मा
कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक

नज़र की स्याही से
ख्वाबों की इमारत बनाता हूँ
कभी सायों से डरता हूँ
कभी उन्हीं सायों में अपना वजूद ढूँढता हूँ
पर कवि नहीं हूँ मैं

भा जाए कोई चेहरा
अनजानी सी भीड़ में
तो कागज पर शब्दों से
उस चेहरे को पिरोने की कोशिश करता हूँ
पर कवि नहीं हूँ मैं

एक लंबी खामोशी के बाद
उठ जाता है जब सीने में दुख का सैलाब
सिसकियाँ आंसुओं की कश्ती में सवार
साहिल पाने की नाकाम कोशिश करता हूँ
पर कवि नहीं हूँ मैं

तुरंग से तेज़ दौड़ती जिंदगी
कंधों पे सवार मेरी जिम्मेदारियों सा घुड़सवार
कभी न थकता थमता गीत मल्हार
संघर्ष के उस पार का ख्याल भूल चुका हूँ
पर कवि नहीं हूँ मैं

भोर में अंगड़ाई लेती
मेरी अधूरी नींद
रात के कितने पन्नों पर दास्ताँ लिखती है
उन पन्नों को नाचोटता, वक़्त बेवक्त खुद का उपहास करता हूँ
पर कवि नहीं हूँ मैं

हृदय के गीत को
स्पष्ट सुन पुनः जीने की लालसा रखता हूँ
एक कदम आगे बढ़ने के लिए
पाँच कदम की तैयारी करता हूँ
पर कवि नहीं हूँ मैं

रूठ गए जो लोग अकारण

राहुल राज
लेखाकार

संग तुम्हारे हँसू हँसाऊ
इतना वक़्त कहाँ से लाऊँ
दस बजते ही दफ़्तर जाना,
और फाइलों से बतियाना
थके-हारे कदमों से
शाम ढले घर वापस आना
सोचो ज़रा विवशता मेरी
मैं कैसे तुमको समझाऊँ

कभी कभी तो ये होता है
मैं जागता हूँ, तन सोता है
हँसती है मुझ पर इच्छाएँ
और बेचारा मन रोता है
रूठ गए जो लोग अकारण
कैसे जाकर उन्हें मनाऊँ

मैं क्या जानूँ सैर सपाटे
हर रोज़ ढो रहा सन्नाटे
क्या बतलाऊँ जैसे - तैसे
मौसम मैंने कैसे काटे
चाबी भरे खिलौनों से मैं
कब तक अपना मन बहलाऊँ

रूठ गए जो लोग अकारण
कैसे जाकर उन्हें मनाऊँ

माँ के बिना

हिमांशु पटेल
डी.ई.ओ

सिमट जाता है एक शब्द में संसार सारा
“माँ” है वो जिसने तुम्हें जमीं पर उतारा

अभी कर लो बात, दिल में जो भी आ रही हो
न जाने कब वो कॉल आखिरी हो

फिर कभी भी न वो चेहरा, न नंबर दिखेगा
तब जाकर वो अकेलापन भी खलेगा

थक जाओगे अकेले में, तो सर रखोगे कहाँ
ढूंढोगे गोद माँ की, पर माँ होगी कहाँ

हाल होगा संजीदा, और मुस्कुराना पड़ेगा
जिंदगी के सफर में आगे बढ़ना पड़ेगा

दुनिया को अलविदा कह, एक दिन वो चली जाएगी
जिंदगी क्या है, वो तुम्हें सीखा जाएगी

रुकती नहीं दुनिया कभी किसी के बिना
बोलकर ऐसा वो, जीने की वजह बता जाएगी

उसकी गैर मौजूदगी में, ये मन मौन कैसे रहेगा
एक माँ की कमी को, भला पूरा कोई कैसे करेगा।

तलाश

राहुल शर्मा
लेखाकार

खुश की तलाश में खो जाते हैं हम,
राहों में, ख्वाबों में, यादों में रह जाते हैं हम ।

रात के अंधकार में, तारों के प्रकाश में,
खो जाते हैं हम खुद की तलाश में ।

दिखावे की ये दुनिया, सोने ही नहीं देती,
कमबख्त जिंदगी सुकून से रोने भी नहीं देती ।

मेरे ख्वाब सवालों के समंदर में कहीं खो जाते हैं,
खुद की तलाश में मेरे दिन रात बीत जाते हैं ।

मेरी तलाश खुद से खुद की अभी तक है अधूरी,
न जाने कब होगी वो पूरी ।

सहसा कोई मोड़ हो, मेरी परछाई से मेरी मुलाक़ात हो,
कुछ वो कहे, कुछ मैं, कभी कुछ तो कोई बात हो ।

जीवन के संघर्ष में मेरा साथी मैं बनूँ,
मुझ तक आए मेरी तलाश यही बस आस करूँ ।

माँ, कैसे बताऊँ मैं, क्या है तू

प्रियांशी राज

लेखाकार

जिसे देख सकूँ, वो खुदा है तू
बिन मांगे मिली वो दुआ है तू
तेरे जैसा इस जहां में कहाँ है कुछ
कभी टूटे न वो समां है तू
मैं कैसे बताऊँ क्या है तू

दूर हो के भी मेरे पास सदा है तू
सबसे अलग सबसे जुदा है तू
मैं कैसे बताऊँ माँ क्या है तू
कभी बूढ़ी न हो वो जवान है तू
हर मर्ज की इक दवा है तू
बहती ही रहे वो हवा है तू
माँ कैसे बताऊँ क्या है तू
जिसे देख सकूँ वो खुदा है तू
बिना मांगे मिली वो दुआ है तू
माँ कैसे बताऊँ क्या है तू

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2023

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान आयोजित कार्यक्रम में कार्यालय के समक्ष अपने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त करतीं माननीय सुश्री आर जयलक्ष्मी आईपीएस उप महानिरीक्षक के.अ.ब्यू

कार्यक्रम में उपस्थित सभी पदाधिकारी

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान आयोजित प्रतियोगिता की विजेता को प्रमाण पत्र से सम्मानित करते हुए माननीय मुख्य अतिथि

कहानी

वक़्त

रवि भूषण

सहायक लेखा अधिकारी

शिवम चतुर्वेदी जी बैंक में मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं। वेतन तो अच्छा है ही साथ ही कई तरह की सुविधाएं भी मिली हुई हैं । जैसे उनके घर को ही ले लीजिए जिसे उनकी पत्नी श्रीमती सुधा चतुर्वेदी जी ने बड़े प्यार से सजाया है। उनका चार साल का बेटा भी है ऋषभ जिसे सब प्यार से रिंकू बुलाते हैं। उन्हें जीवन में किसी तरह की कमी नहीं सिवाए एक चीज के - वक़्त ।

शिवम के माता- पिता अपने गाँव हज़रतगढ़ में रहते हैं । वहाँ उनका पैतृक मकान है । शिवम ने तो कई बार उनसे कहा कि वे भी मुंबई में रहने के लिए आ जाएँ । बूढ़े माँ-बाप को अकेले अच्छा भी तो नहीं लगता और फिर बीमारी या आकस्मिक परेशानियों के वक़्त कौन काम आएगा ? कौन ख्याल रखेगा ? परंतु उन लोगों की पूरी जिंदगी की यादें उसी घर में बसी थी। गाँव वाले भी तो अपनों की तरह ध्यान रखते थे । आखिरकार शिवम को ही हार माननी पड़ी । अब माता-पिता से वर्ष में दो बार सिर्फ होली और दीपावली पर ही मिलना हो पाता है । हाँ, फोन पर बातें तो हर दो-चार दिन में हो ही जाती है ।

रात के आठ बज चुके हैं । रिंकू अभी तक सोया नहीं है और पापा के घर लौटने का इंतज़ार कर रहा है । माँ ने तो कई बार कहा कि उनको कार्यालय में बहुत काम है और आने में देरी हो जाएगी पर रिंकू पर तो जैसे धुन सवार थी पापा को अपनी बनाई हुई तस्वीर दिखाने की । आखिरकार रात के नौ बजे शिवम घर आया । पापा को देखकर रिंकू का चेहरा खिल उठा । वह भागकर तस्वीर लाया और पापा की आँखों के सामने रख दी ।

शिवम काफी थके हुए थे । ऊपर से रिंकू का उनके कपड़े खींच खींच कर तस्वीर देखने को बुलाना उन्हें और परेशान कर रहा था । शिवम की सब्र की सीमा समाप्त हो रही थी और उन्हें बहुत गुस्सा आ रहा था। रिंकू ने जैसे ही एक बार और शिवम की शर्ट खींच उसे झुकाने की कोशिश की, उन्होंने उसे ज़ोर से डांट लगा दी और कमरे में जाने को बोला । रिंकू पापा का रौद्र रूप देखकर डर गया उसे समझ नहीं आया कि पापा ऐसा क्यूँ कह रहे हैं । वह मायूस होकर अपने कमरे में चलते बना । रिंकू की माँ सुधा ने जब यह देखा तो उन्होंने शिवम को रिंकू की बनाई हुई तस्वीर उन्हें दिखाकर

सारी बात बताई। शिवम का मन आत्मग्लानि से भर गया। वह भरे मन से रिंकू के पास गया और प्यार से पुचकार कर माफी मांगी ।

बात आई-गई हो गई और कई वर्ष बीत गए । रिंकू भी बड़ा हो रहा था पर शिवम अपने काम में इतने व्यस्त थे कि रिंकू के जीवन के अहम पलों में वे शामिल ही नहीं हो पाए थे । स्कूल की अभिभावक-शिक्षक सभा में ज्यादातर सुधा ही जाया करती थी । फुटबॉल के अभ्यास कक्षा से लेकर दसवीं की परीक्षा लेने हर जगह सुधा के ही चक्कर लगते थे । हाँ शिवम ने रिंकू के अच्छे नंबर आने पर उसे मनपसंद साइकिल जरूर दी थी ।

रिंकू अब बड़ा हो गया है । एक अंतर्राष्ट्रीय संस्थान में अच्छे पद पर कार्यरत है । शिवम जी अब बूढ़े हो चुके हैं और सेवानिवृत्ति के दिन गिन रहे हैं । जीवन की भागदौड़ से आज़ाद होने की खुशी उनको विभिन्न प्रकार की योजना बनाने पर मजबूर कर रही थी । बहुत सोच विचार कर उन्होंने निश्चय किया कि वह पत्नी व बेटे के साथ भारत भ्रमण पर जाएँगे । दो महीने के गहन अध्ययन के बाद शिवम जी ने देश-भ्रमण का कार्यक्रम तैयार कर लिया था । अगले महीने वे सेवानिवृत्त हो रहे हैं । एक ट्रैवल कंपनी से मिलकर उन्होंने सारी जरूरी जानकारी इकट्ठी कर ली है । कार्यालय में ही सारी जानकारी एकत्रित कर एक फ़ाइल बना ली गई थी जिसे वह घर पर परिवार को दिखाने के लिए अति उत्सुक हैं । घर पहुँच कर रिंकू से बात करनी है और कार्यक्रम का उदघाटन करना है । इसी सोच विचार में वह घर पहुँचे । घर पर सिर्फ़ सुधा को पाकर वह थोड़ा निराश हुए, रिंकू को कार्यालय में अभी बहुत वक़्त लगना था । वह मन मसोसकर रह गए । बेटे का इंतज़ार करना उन्हें अच्छा नहीं लग रहा था, आखिर करते भी क्या । देर रात जब रिंकू आया , तो खाने की मेज पर शिवम जी ने अपना सेवानिवृत्ति उपरांत देश-भ्रमण की रिंकू से चर्चा की, पर रिंकू को दो वर्षों के लिए फ़्रांस में एक बड़े प्रोजेक्ट के लिए जाना था । रिंकू ने कहा कि शिवम और सुधा अकेले देश भ्रमण पर चले जाएँ । शिवम जी का मन उदास हो गया और अचानक से उन्हें बचपन को वो वाक्या याद आ गया कि तब उनके पास वक़्त नहीं था और आज उनके बेटे के पास ।

<u>ऑडिट दिवस 2023</u>

ऑडिट दिवस 2023 पर पदाधिकारियों को संबोधित करते कर्नाटक के माननीय राज्यपाल श्री थावर चंद गहलोत

विभाग की नई प्रकाशित पुस्तिका का विमोचन करते माननीय राज्यपाल, महालेखाकार महोदया एवं अन्य पदाधिकारी

कार्यालय की प्रतियोगिताओं में विजयी महिला पदाधिकारी गण के साथ उप महालेखाकार महोदय

यात्रावृतांत

बेंगलूरु दर्शन

टी बी अशोक

सहायक लेखा अधिकारी

शनिवार के सुबह आसमान में बादल छाए रहे । हमने अपने परिवार के साथ लालबाग में पिकनिक मनाने का निर्णय लिया । सबसे सहूलियत की बात यह थी कि बनशंकरी से लालबाग की सीधी मेट्रो जाती है। लालबाग बोटेनिकल उद्यान तक पहुँचने का सबसे अच्छा तरीका है मेट्रो जो नागसंद्रा और रेशम संस्थान के बीच चलने वाली ग्रीन लाईन मेट्रो है । सप्ताह के दिनों में प्रवेश शुल्क 70 रुपये तथा सप्ताहांत शुल्क 80 रुपये है। बच्चों के लिए प्रवेश शुल्क मात्र 30 रुपये है लेकिन स्कूल यूनिफॉर्म पहने बच्चों के लिए शुल्क माफ है। आप अपने पूरे परिवार के साथ इस जगह का बहुत कम शुल्क में आनंद उठा सकते हैं । शहर के मध्य में 240 एकड़ भूमि पर स्थित एक विशाल उद्यान लालबाग, में भारत के पौधों का सबसे बड़ा संग्रह है, जिसमें कई सदियों पुराने पेड़ भी शामिल हैं। स्नो व्हाईट और सेवेन ड्वार्फ की प्रदर्शिनी, एक तोपरी पार्क और एक विशाल झील के साथ, लंदन में क्रिस्टल पैलेस के तर्ज पर बनाया गया एक सुंदर ग्लास हाऊस परिसर को और भी लुभावना बनाता है। बेंगलुरु के संस्थापक केम्पेगौड़ा द्वारा निर्मित 3000 मिलियन वर्ष पुरानी चट्टान (जो एक राष्ट्रीय भूवैज्ञानिक स्मारक है) के शीर्ष पर स्थित एक वॉचटावर भी सुरम्य उद्यान की शोभा बढ़ाता है। लालबाग में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में फ्लावर शो भी आयोजित किया जाता है। यहाँ फ्लावर शो देखने का सबसे सही समय सुबह का है ।

लालबाग में हर वर्ष स्वतन्त्रता दिवस पर फ्लावर शो भी होता है जो कि इस वर्ष 05 अगस्त 2023 से 15 अगस्त 2023 तक आयोजित किया गया था । फ्लावर शो में विधान सौधा के वास्तुकार, कर्नाटक के दिवंगत मुख्यमंत्री, श्री कैंगल हनुमंतैया का सम्मान किया गया है ।

हमारे कार्यालय के ही पास "बेंगलुरु पैलेस" भी विश्व विख्यात है। सुंदर बागों से घिरा, बैंगलोर पैलेस एक दो मंजिला ग्रेनाइट की बनी इमारत है जो कि मज़बूत छत और बुर्ज वाली दीवारों से सुशोभित है। यह महल पर्यटकों को दक्षिण भारत के सबसे प्रभावी राजवंशों में से एक वाडियार राजवंश(1339-1947) के राजसी ठाठ का परिचय देती

है। इस महल को वर्ष 1887 में बनाया था। बैंगलोर पैलेस लकड़ी पर बने खूबसूरत नक्काशी और आकर्षक वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। एक हद तक, यह नॉर्मंडी और इंग्लैंड के मध्ययुगीन महल से मिलता जुलता है क्योंकि इसे स्कॉटिश गॉथिक प्रभाव की वास्तुकला की ट्यूडर शैली में बनाया गया है । महल का सबसे बड़ा आकर्षण अंगूर की बेलों से ढकी उसकी दीवारें हैं । महल का आंतरिक भाग इसके अंग्रेज़ी डिज़ाइन के अग्रभाग के बिलकुल विपरीत है। महल के कमरों को पारंपरिक हिंदू शैली में विस्तृत रूप से सजाए गए स्तंभों और मेहराबों से सजाया गया है। शानदार झूमर और पैटर्न वाली दीवारें महल के राजसी ठाठ वाले अतीत की याद दिलाती हैं। महल में 19वीं और 20वीं शताब्दी के महान चित्रकार रवि वर्मा की कुछ प्रसिद्ध कलाकृतियां भी हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार, वाडियार वंश के राजा चामराजेंद्र वाडियार अपनी इंग्लैंड यात्रा में लंदन के विंडसर कासल को देख कर अचंभित हो गए थे और उसी की तर्ज पर उन्होंने बैंगलोर पैलेस का निर्माण करवाया।

कर्नाटक के पौराणिक स्थल

निशा कुमारी

वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक

भारत में यूँ तो अनेक पौराणिक एवं धार्मिक स्थल है लेकिन दक्षिण भारत के स्थलों एवं मंदिरों की अपनी अलग ही पहचान है जो दुनिया के किसी कोने में देखने को शायद ही मिले । यहाँ के मंदिर जो कई हज़ार वर्ष पुराने है, हमारी संस्कृति, वास्तुकला शैली, अध्यात्म और आस्था का केंद्र और सांस्कृतिक धरोहर भी है । भारत का ही एक ऐसा राज्य है जो अपने आप में अति प्राचीन मंदिरों के समृद्ध अतीत को संजोए हुए है । मंदिरों के अलावा यहाँ के समुद्री तट एवं वाटर फॉल भी लोगों को आकर्षित करता है । भारत का तीसरा ऊँचा वॉटर फॉल जोग फॉल है जो कर्नाटक के शिवमोगा जिले में स्थित है । मॉनसून के दौरान जोग फॉल की सुंदरता देखते ही बनती है । इसके अलावा कर्नाटक में निम्न प्रमुख दर्शनीय स्थल है -

1. **महाबलेश्वर मंदिर, गोकर्ण** - कर्नाटक में स्थित प्रसिद्ध शिव मंदिर है जो उत्तर कन्नड़ जिले के गोकर्ण में स्थित है । यह मंदिर चौथी शताब्दी से संबंध रखता है जिसका निर्माण द्रविड़ शैली में किया गया है । इसको दक्षिण का काशी भी कहा जाता है । मंदिर का मुख गोकर्ण समुद्र तट की तरफ है जिसमें श्रद्धालु दर्शन करने से पहले स्नान करते हैं । इस मंदिर में दर्शन के दौरान पहने गए वस्त्रों पर विशेष ध्यान दिया जाता है । यहाँ शिवरात्रि और श्रावण मास में काफी भीड़-भाड़ होती है । कर्नाटक ही नहीं अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहाँ आते हैं । यह जगह रेल एवं सड़क मार्ग से मुख्य शहर जैसे मुंबई, बेंगलुरु, गोवा, केरल आदि से जुड़ा हुआ है ।
2. **मुरुदेश्वर, भटकल** - यह कर्नाटक का प्रसिद्ध मंदिर है जो भगवान शिव को समर्पित है । मुरुदेश्वर में भगवान शिव की दूसरी सबसे ऊँची मूर्ति स्थापित है । यहाँ पर स्थित नेतरानी द्वीप जो चारों तरफ से समुद्र से घिरा है, साहसिक गतिविधियों के लिए पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है । यह मंदिर

मुरुदेश्वर रेलवे स्टेशन से केवल 2 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

3. **सहस्त्रलिंग, सिरसी** - यह पवित्र सहास्त्रलिंग कर्नाटक के सिरसी जिले से दो किलोमीटर दूर शलमला नदी के तट पर है। यहाँ एक हज़ार से भी अधिक प्राचीन शिवलिंग और उसके समीप बैलों कि प्रतिमा हैं जो पत्थरों पर ही बनाई गयी है। यहाँ केवल सड़क मार्ग के माध्यम से पहुँचा जा सकता है।

4. **श्रवणबेलगोला** - यह कर्नाटक का प्रमुख जैन तीर्थ स्थल है । इस मूर्ति को बाहुबली प्रतिमा के नाम से भी जाना जाता है । हासन जिले में स्थित भगवान गोमतेश्वर की 57 फीट ऊँची मूर्ति स्थापित है। यह स्थल चंडीगिरी और विन्ध्यगिरी पहाड़ियों के बीच बेलगोला नामक शहर में स्थित है । यह जगह रेल एवं सड़क मार्ग से मुख्य शहरों से जुड़ा हुआ है ।

5. **चेन्नाकेशव स्वामी मंदिर** - इस मंदिर का निर्माण होयसल राजवंश के राजा विष्णुवर्धन द्वारा 1117 ई. से 1104ई के बीच करवाया गया था । बेलूर में स्थित यह मंदिर 1103 में निर्मित किया गया था । इस मंदिर को केशव मंदिर के नाम से भी कहा जाता है। चेन्नकेशव मंदिर होयसल वास्तुकला के चित्ताकर्षक नमूनों में से एक हैं। असाधारण नक्काशी और उत्कृष्ट शिल्पकला केलिए इस मंदिर को स्थानीय रूप से कलासागर कहा जाता है।

....

आपकी सहायता के लिए .....

क्रम सं	Engilsh	हिंदी
01.	Submitted for approval	अनुमोदन के लिए प्रस्तुत
02.	Submitted for perusal	अवलोकन के लिए प्रस्तुत
03.	Submitted for orders	आदेश के लिए प्रस्तुत
04.	Action may be taken as proposed	यथा प्रस्तावित कार्रवाई की जाए
05.	Seen and returned	देखकर वापस किया जाता है
06.	Orders may be issued	आदेशों को जारी किया जाए
07.	Kindly accord a sanction	कृपया मंजूरी प्रदान की जाए
08.	Herewith enclosed	इसी के साथ संलग्न
09.	Draft put up for approval	मसौदा अनुमोदन के लिए प्रस्तुत है
10.	Passed for payment	अदायगी के लिए पारित किया गया
11.	Under intimation to	को सूचना देते हुए
12.	Circulate and file	परिचालित करके फ़ाईल करें
13.	Please discuss	कृपया चर्चा करें/ चर्चा कीजिये
14.	Sanctioned	संस्वीकृत
15.	Put up immediately	तुरंत प्रस्तुत करें
16.	Proposal Accepted	प्रस्ताव स्वीकार है
17.	Kindly Reply	कृपया उत्तर दें
18.	Do the needful	आवश्यक कार्रवाई करें
19.	Checked and found Correct	जांच की और सही पाया
20.	Resubmitted as desired	आदेशानुसार फिर प्रस्तुत है

कार्यालय उपयुक्त अंग्रेज़ी-हिन्दी वाक्य कोश

क्रम सं	Engilsh Sentence	हिंदी वाक्य
1.	Please refer to above letter.	कृपया उपरोक्त पत्र का संदर्भ लें।
2.	The vacancy has already been filled.	रिक्त पद पहले ही भरा जा चुका है।
3.	In this regard, a favourable action will be highly appreciated.	इस संबंध में, सकारात्मक कार्रवाई सरहनीय है।
4.	The first phase of data analysis has been completed.	डेटा विश्लेषण का पहला चरण पूरा हो गया है।
5.	The letter is being sent to you for appropriate action.	उचित कार्रवाई के लिए आपको पत्र भेजा जा रहा है।
6.	Analysis of Arrears of Revenue.	बकाया राजस्व का विश्लेषण।
7.	However, the fact, remains that	हालांकि, तथ्य यह है की...
8.	Timely compliance may be ensured	समय पर अनुपालन सुनिश्चित कर लिया जाए।
9.	Pending cases may be disposed off.	लंबित मामले शीघ्र निपटाय जाए।
10.	The file movement register may be seen to track the file	फाईल का पता लगाने के लिए फाईल रजिस्टर देखा जाए।
11.	This is an administrative decision.	यह प्रशासनिक निर्णय है।
12.	Mention the back reference in this case	इस मामले में पिछले संदर्भ का हवाला दें।

कार्यालय की प्रमुख गतिविधियां

मेडिकल कैम्प 2023

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति बैठक

ऑडिट दिवस सप्ताह में आयोजित प्रतियोगिताओं में भाग लेते पदाधिकारियों को शुभकामनाएँ देते कार्यालय के पदाधिकारी

देखो हँस न देना

1. टीचर - (चिंटू से) खाना खाने से पहले सभी बच्चों को अपने हाथ धोने चाहिए । चिंटू - लेकिन मैं तो खाना खाने के बाद धोता हूँ । टीचर - ऐसा क्यों ? चिंटू - ताकि मोबाइल पर दाग न पड़ जाए ।

2. हर दिन स्कूल का एक छात्र कैंटीन में जाता और समोसे के अंदर का हिस्सा खाता था । वेटर - आप सिर्फ समोसे के अंदर के भाग को ही क्यों खाते हो ? छात्र - क्योंकि मेरी मम्मी ने कहा है कि बाहर की चीज़ नहीं खाना ।

3. पापा ने मोनू को डांटते हुए कहा," तुम्हें पुदीना लाने को कहा था, तुम धनिया क्यों ले आए हो । तुम जैसे बेवकूफ को तो घर से निकाल देना चाहिए । मोनू - पापा, चलो हम दोनों ही घर से निकाल जाते हैं, क्योंकि मम्मी कह रही थी कि यह मेथी है ।

4. पति कार की धुलाई कर रहा था । पत्नी - कार धो रहे हो क्या ? पति - नहीं, इसे पानी दे रहा हूँ ताकि बड़ी होकर बस बन जाए ।

बताओ तो जानें

1. मेरी जड़ें हैं जिन्हें देख सके न कोई
   लेकिन तुम मुझे अपनी खुली आँखों से देख सकते हो
   मैं पेड़ों से काफी ऊंचा हूँ
   लेकिन मैं कभी बढ़ता नहीं हूँ
2. अगर आप अंधेरे कमरे में एक मोमबत्ती, एक लालटेन और एक दीया के साथ है, तो सबसे पहले आप क्या जलाएंगे?
3. लोहा खींचू ऐसी ताकत है, पर रबड़ से मुझे डर लगता है, खोई सूई मैं पा लेता हूँ, मेरा खेल निराला है।
4. धन दौलत से बड़ी है यह, सब चीजों से ऊपर है यह, जो पाये पंडित बन जाए, बिन पाये मूर्ख रह जाये।
5. जीभ नहीं पर फिर भी बोले,
   बिना पाँव सारा जग डोले
   राजा रंक सभी को भाता
   जब आता तब खुशियाँ लाता?

(1. पर्वत 2. माचिस 3. चुंबक 4. विद्या 5. रुपया)

कलाकार श्री शशीधर एस की अद्भुत चित्रकारी : **“करवार बन्दरगाह के पास मछली पकड़ने वाली नावें”**

“समुद्री दृश्य जल रंग पेंटिंग”